सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 220 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 16 सितम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास को हमेशा तर्क से तौलना चाहिए। जब विश्वास अंधा हो जाता है तो मर जाता है।

-महात्मा गांधी

बिगड़ गया है पीएम का मानसिक... 7 | सत्ता विरोधी लहर, ढायेगा भाजपा... 3 | जम्मू-कश्मीर में डबल इंजन वाली... 2

100 दिन पूरे होने पर विपक्ष के निशाने पर आई एनडीए सरकार

विपक्ष बोला- मोदी सरकार ने सिर्फ विवाद ही दिये, हर मामले में नाकाम

» नेता बोले- दस साल में कुछ नहीं किया तो अब क्या करेंगे

» कांग्रेस व इंडिया गठबंधन ने खोला नाकामियों का पिटारा

» नीट परीक्षा, आतंकी हमला महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार पर मोदी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए सरकार ने सोमवार को 100 दिन पूरे किए। जहां केंद्र की मोदी सरकार उपलब्धियों के बड़े-बड़े दावे कर रही है वहीं विपक्ष ने कहा है कि दस साल में तो कुछ किया नहीं 100 दिन के बारे में क्या कहा जाए। विपक्ष ने तीखा प्रहार कहते हुए कहा कि सौ दिनों में केवल विवाद ही तो दिया है मोदी सरकार ने। कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के अन्य सदस्य दलों ने कहा कि सौ दिनों में नीट परीक्षा धांधली, जम्मू-कमश्मीर में जवानों के शहीद करवाने में अहम भूमिका निभाई है। घाटी में आतंकी घटनाओं में इजाफा, मणिपुर में हिंसा का बढ़ता दायरा, महिलाओं के ऊपर दुराचार के मामले व दस साल में बनी विकास की योजनाओं में घटिया निर्माण भाजपा की सरकार की एकमात्र उपलब्धि है। विपक्ष ने कहा कि पूरी सरकार नाकाम रही है। कांग्रस नेता सुरेन्द्र राजपूत ने कहा सरकार मुद्दो पर बात करे विषयांतर न करे आतंकवाद पर बात करे। हमारे जवान शहीद क्यों हो रहे हैं इस पर बात करे। क्या होगा इस पर बात न करे, हमने 10 साल से आपके जुमले बहुत देखे हैं। उधर सियासी गलियारें में यही चर्चा है कि नई सरकार की भावी कार्यशैली रीति-नीति में कई तरह के बदलाव के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन पहले सौ दिनों में नीतिगत स्तर पर कोई बदलाव नहीं दिखा।

सरकार ने 100 दिनों के प्रदर्शन का ब्योरा जारी किया

सरकारी सूत्रों ने मोदी 3.0 के पहले 100 दिनों के प्रदर्शन का ब्योरा जारी किया, जिसमें बताया गया कि इस अवधि के दौरान 15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि पहली बार जब परियोजनाएं शुरू की गईं, तो उनके उद्घाटन की तारीखों की घोषणा भी एक साथ की गई। सूत्रों ने यह भी सुझाव दिया कि इन 100 दिनों में शुरू की गई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की परिकल्पना काफी पहले से की गई थी, क्योंकि अधिकारियों को एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत से पहले 100 दिन का रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया गया था।

कई मुद्दों पर विपक्ष कर रहा तीखे सवाल

अपने पिछले दो कार्यकालों के उलट एनडीए सरकार को अपने कुछ फैसलों को वापस लेने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है। इनमें सिविल सेवाओं में 45 डोमेन एक्सपर्ट्स की भर्ती के लिए विज्ञापन वापस लेना, रियल एस्टेट के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर इंडेक्सेशन लाभ बहाल करना शामिल है, वहीं ब्रॉडकास्ट बिल के एक मसौदे को भी वापस ले लिया गया ह., क्यों कि यह चिंता उठ रही थी कि इसका मकसद ऑनलाइन कंटेंट पर ज्यादा कंट्रोल करना है।

ढांचागत परियोजनाओं को आगे बढ़ाया : मंत्री

सरकार के वरिष्ठ मंत्री ने कहा कि तीसरी बार सत्ता में आने के बाद मंत्रिमंडल के विभाग बंटवारे, भविष्य की नीति और कार्यशैली में बदलाव की बात कही जा रही थी। लेकिन पहले सौ दिन में हमने साबित कर दिया है कि नीतिगत मामलों में किसी तरह के बदलाव का सवाल ही नहीं उठता। इस संदर्भ में दस साल से जारी पुरानी नीतियां पहले की तरह बदस्तूर जारी रहेंगी। सरकार ने सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई मार्ग से जुड़े क्षेत्र में तीन लाख करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें महाराष्ट्र के वधावन को भविष्य में दुनिया के दस शीर्ष बंदरगाहों में शामिल कराने के लिए 76,200 करोड़ की लागत से मेगा पोर्ट बनाना शामिल है। टोले-माजरे और कम जनसंख्या वाली जगहों में 62,500 किमी सड़क निर्माण के लिए 49,000 करोड़, अन्य सड़क नेटवर्क के लिए 50,600 करोड़ की योजना को मंजूरी मिली। 936 किमी के आठ हाई स्पीड रोड कॉरिडोर, 8 नई रेलवे लाइन सहित कई नए एयरपोर्ट, मेट्रो निर्माण या विस्तार से जुड़ी परियोजनाएं आगे बढ़ीं। सौ दिन के एजेंडे में पूरब सहित अन्य कमजोर राज्यों को नीतियों और योजनाओं के केंद्र में लाया गया। बिहार, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और आंध्रप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना की शुरुआत की गई। लद्दाख में पांच नए जिले बनाए गए। शहरी बाढ़ प्रबंधन, ग्लेशियल से निपटने के लिए 6,350 करोड़ की परियोजनाएं शुरू की गईं।

केजरीवाल के सियासी दांव से बीजेपी के उखड़े पांव

» सीएम के इस्तीफे की घोषणा से दिल्ली की सियासत गरमाई

» राष्ट्रपति शासन के अंदेशे पर विराम, अन्य दल भी सकते में

» भाजपा ने भी किया पलटवार

» छह महीने में विधानसभा सत्र बुलाने का भी था दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा देने की घोषणा से भाजपा के सियासी पांव उखड़ गए है। पार्टी राष्ट्रपति शासन लागने का जो कुचक्र रच रही थी वह चकनाचूर हो गया है। आप के इसे दावं से अन्य सियासी दल भी सकते में आ गए हैं। आने वाले कुछ घंटों में दिल्ली के नए सीएम की घोषणा भी हो जाएगी। आम आदमी पार्टी में शीर्ष स्तर पर बैठक चल रही है।

दरअसल, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अरविंद केजरीवाल ही नहीं पूरी पार्टी बैकफुट पर दिखाई दे रही थी। विपक्ष भी लगातार इसी मुद्दे, खासकर कथित शराब घोटाला पर सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहा था। इससे केजरीवाल की छवि भी खराब हो रही थी। भ्रष्टाचार के आरोपों से बिगड़ी छवि को बेहतर करने के लिए केजरीवाल ने इस्तीफे का सियासी पासा फेंक विपक्ष के मुद्दे को चारों खाने चित कर दिया है। उन्होंने मतदाताओं के बीच भी स्पष्ट संदेश दिया है कि वह तब तक इस कुर्सी पर नहीं बैठेंगे, जबतक जनता उन्हें बेदाग छवि के साथ फिर से बहुमत देकर मुख्यमंत्री नहीं बनाती है। तीसरी बार सरकार बनने के बाद से ही विपक्षी पार्टियां लगातार भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आप सरकार को घेर रही थी। अलग-अलग जांचों में भी पार्टी फंसी हुई थी। दरअसल छह महीने में विधानसभा सत्र बुलाने की मजबूरी सरकार की थी।

एक तीर से साधे कई निशाने

इस्तीफे का एलान कर अरविंद केजरीवाल ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं। भ्रष्टाचार के आरोप, इस्तीफा देने का दबाव, कथित शराब घोटाले समेत संवैधानिक संकट होने के विपक्ष की सभी आरोप इससे धराशायी हो गए। अब कांग्रेस और भाजपा को नये सिरे से रणनीति तैयार करनी होगी। विधानसभा चुनाव में नई रणनीति से दोनों दलों को उतरना होगा। अगर आप किसी महिला या अनुसूचित जाति के सदस्य को सीएम बनाती है तो विपक्ष को आक्रामकता के नए पैमाने गढ़ने पड़ेंगे। साथ में अरविंद केजरीवाल के आक्रामक अभियान का भी जवाब देना होगा।

नए मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा

मनीष सिसोदिया अरविंद केजरीवाल के घर गए। केजरीवाल के इस्तीफे के एलान की बाद दोनों लोगों की यह पहली मुलाकात थी। दिल्ली में नए मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा हुई।

केजरीवाल का इस्तीफा नाटकबाजी : ब्रजेश पाठक

यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की पेशकश को नाटकबाजी करार दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता इसे खूब अच्छे से समझती है। इस बार जब भी चुनाव होगा दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी। जो व्यक्ति जेल से जमानत पर छूटा हो, वो इस प्रकार के नाटक कर रहा है। आने वाले समय में दिल्ली की जनता इसका जवाब जरूर देगी।

संवैधानिक मामलों को तहस-नहस करना चाहती है भाजपा : पायलट

केजरीवाल के इस बयान पर कि अगर जनता उन्हें ईमानदार नहीं मानती तो वे दो दिन में अपने पद से इस्तीफा दे देंगे, पायलट ने कहा, यह उनका (दिल्ली के लोगों का) फैसला है कि वे किसे मुख्यमंत्री घोषित करते हैं। कांग्रेस पार्टी हर चुनौती के लिए तैयार है... हम हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाएंगे। पायलट ने संवैधानिक मामलों और आरक्षण से निपटने के लिए भाजपा के तरीके पर भी बात की। उन्होंने कहा, आरक्षण जनता को दिया जाता है। भाजपा संविधान को तहस-नहस करना चाहती है।

यूपी में बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं : अखिलेश

बोले- सरकार बताए एंटी रोमियो स्क्वॉयड कहां गया

» यूपी में सरकार है भी या सेवानिवृत्त हो गई : सपा अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम ने यूपी की योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने राज्य में महिलाओं पर बढ़ते अपराध व बिगड़तर कानून व्यवस्था को लेकर सीएम योगी पर भी तीखा प्रहार किया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। सरकार को बताना चाहिए कि एंटी रोमियो स्क्वॉयड कहां लुप्त हो गया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने यूपी को जंगलराज में बदल दिया है। बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं है। हर दिन बेटियों के साथ जघन्य अपराध हो रहे हैं।

पुलिस जनता की सुरक्षा के बजाय उन्हें प्रताड़ित कर रही है। लोगों की जान ले रही है। झूठे मुकदमों में निर्दोषों को फंसाया जा रहा है। जाति देखकर अपराधियों को सजा या माफी दी जाती है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि पुलिस असली अपराधियों के बजाय गरीब और निरीह लोगों का फर्जी एनकाउंटर कर रही है। हिरासत में ही पीट-पीटकर मार रही है। लखीमपुर खीरी के फरदान में पुलिस पिटाई से एक और दलित युवक की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पीडीए के साथ अन्याय और अत्याचार कर रही है। दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यक समाज के युवाओं के खिलाफ पुलिस का अत्याचार थम नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार युवती का जो वीडियो सामने आया है, उससे प्रदेश में बढ़ रहे महिला उत्पीड़न और अत्याचार का मूल करण सामने आ गया है। सरकार बताए कि उसका एंटी रोमियो स्क्वायड कहां लुप्त हो गया है। पिछले दिनों हुई बरसात से कई दर्जन लोग बेमौत मारे गए। भाजपा सरकार कहीं भी जनता के प्रति जवाबदेह नहीं दिखाई दे रही है। अखिलेश ने एक्स के जरिये कहा कि अयोध्या में किसानों को हिरासत और अरबपतियों की राहत दी जा रही है। तंज किया कि यूपी में सरकार है या सेवानिवृत्त हो गई है।

मेरठ हादसे पर जताया शोक

अखिलेश ने मेरठ में तीन मंजिला मकान गिरने से 10 लोगों की मौत पर शोक जताया है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। साथ ही सरकार से पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की।

पूर्व सीएम की सनातन धर्म में आस्था नहीं : नीरज

मतीधीशों को लेकर विवादित बयान देने से सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सनातन विरोध मानसिकता प्रदर्शित होती है। उनकी सनातन धर्म में कोई आस्था नहीं है। जो लोग राम मंदिर उद्घाटन की तारीख पूछ रहे थे, उनकी सात पीढ़ियां प्राण-प्रतिष्ठा की तारीख याद रखेंगी। ये बातें केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बेटे व वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह ने कही। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि लोग जनता को जातियों में बांटना चाहते हैं, और हम उन्हें सदस्य बनाकर देश की सेवा के लिए एक कर रहे हैं। लोग भाजपा की लोक कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़ रहे हैं। इसी कारण पूरे देश में तीन दिन में एक करोड़ सदस्य बन गए। उन्होंने युवाओं, महिलाओं, किसानों व अन्य वर्ग से पार्टी से जुड़ने की अपील की।

जम्मू-कश्मीर में 20 प्रत्याशी उतारेगी सपा, प्रचारकों की लिस्ट जारी

सपा ने जम्मू-कश्मीर में कुल 20 प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। तीसरे चरण में उसके 15 प्रत्याशी हैं, जबकि दूसरे चरण में 5 प्रत्याशी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी स्टार प्रचारकों को निर्देश दिए हैं कि वे जम्मू-कश्मीर में स्थानीय संगठन की डिमांड के अनुसार अपने कार्यक्रम तय करें। इसी के साथ सपा ने इन चुनावों के लिए प्रचारकों की लिस्ट भी जारी कर दी है। फैजाबाद से सांसद अवधेश प्रसाद इस लिस्ट में शामिल हैं। अवधेश प्रसाद के अलावा इकरा हसन और प्रिया सरोज भी इस लिस्ट में शामिल हैं। मालूम हो कि कांग्रेस वहां नेशनल कांफ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है।

हरियाणा में बागियों को मनाने में जुटी रही कांग्रेस-भाजपा

» नामांकन वापसी के अंतिम दिन रही सियासी रसाकशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक/करनाल/हिसार। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए नाम वापसी का आज अंतिम दिन है। तीसरी बार प्रदेश की सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा और दोबार सत्ता में वापसी के लिए कांग्रेस की राह में बागी बड़ी रुकावट बने हुए हैं। रविवार को दिनभर दोनों दलों के वरिष्ठ नेता बागियों को मनाने में लगे रहे।

नायब सिंह सैनी ने पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा और नारनौल से नाराज भारती सैनी के घर जाकर मुलाकात की और नाराजगी दूर करने का प्रयास किया। करनाल में टिकट कटने से नाराज मेयर रेणु बाला गुप्ता के घर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पहुंचे। इनके साथ ही मेयर के पति बृज भूषण गुप्ता को भाजपा ने कार्यकारी जिलाध्यक्ष भी नियुक्त कर दिया। असंध में भाजपा के बागी पूर्व विधायक जिले राम शर्मा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उतर चुके हैं, लेकिन अभी उन्हें मनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हिसार से बगावत करने वाले भाजपाई पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल, पूर्व मेयर गौतम सरदाना व तरुण जैन का नाम शामिल है।

कांग्रेस के कई बागी अड़े

कांग्रेस की बागी चित्रा सरवारा अंबाला छावनी, पूर्व विधायक रोहिता रेवड़ी पानीपत शहर और विजय जैन पानीपत ग्रामीण से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर अड़िग हैं। रोहिता रेवड़ी ने बताया कि पार्टी पदाधिकारियों ने उनसे संपर्क किया था। चरखी दादरी में कांग्रेस के बागी नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन अजीत फोगाट, पूर्व चेयरमैन संजय छपारिया और बाढड़ा हलके से हरियाणा ऋशर एसोसिएशन प्रधान सोमवीर घसोला भी अभी नहीं माने हैं।

जम्मू-कश्मीर में डबल इंजन वाली सरकार को देना होगा हिसाब : उमर अब्दुल्ला

» बोले- पीएम मोदी के वादों को भूलकर करें मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इंजीनियर राशिद नेशनल कॉन्फ्रेंस को निशाना बना रहे हैं। हर कोई नेशनल कॉन्फ्रेंस को निशाना बना रहा है।

वहीं पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके (पीएम मोदी) वादों को भूल जाइए, उन्होंने पिछले 10 सालों में क्या काम किया है इसका हिसाब देना चाहिए, जबकि जम्मू-कश्मीर में डबल इंजन वाली सरकार है। बता दें कि इंजीनियर राशिद ने जेल में रहते हुए उमर अब्दुल्ला को बारामुला लोकसभा सीट से बड़े अंतर से चुनाव में पटखनी दी थी।

हमने अलगाववादियों को नहीं बनाया : फारूक

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हमने अलगाववादियों को नहीं बनाया। इसके लिए पाकिस्तान जिम्मेदार है। वे (केन्द्र सरकार) पांच साल से जम्मू-कश्मीर पर शासन कर रहे हैं, उन्होंने हमेशा आतंकवाद के लिए अनुच्छेद 370 को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन अब अनुच्छेद 370 नहीं है, फिर भी आतंकवाद क्यों जारी है? सारे हथियार कहां से आ रहे हैं? फारूक अब्दुल्ला ने आगे कहा कि चुनाव से ठीक पहले इंजीनियर राशिद को क्यों रिहा किया गया?

पीडीपी भाजपा को रोकने के लिए चुनाव लड़ रही : महबूबा

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव केवल विकास कार्य करने के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि भाजपा को कश्मीर मुद्दा और अनुच्छेद 370 को दफन करने से रोकने के लिए लड़ रही है। उन्होंने कहा कि यह भाजपा के लिए शर्म की बात है जो कहती रही है कि स्थिति में सुधार हुआ है। महबूबा ने यहां कहा, ''यह भाजपा के लिए शर्म की बात है जो कहती रही है कि स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन वे पिछले 10 वर्षों में जम्मू कश्मीर में चुनाव नहीं करा सके। लोग नाराज हैं, उनका दम घुट रहा है। वे चाहते हैं कि एक ऐसी सरकार बने जो उनकी चिंताओं को दूर कर सके और उनकी मुश्किलों को खत्म कर सके। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी केवल नालियों और गलियों के निर्माण के लिए चुनाव नहीं लड़ रही है।

झारखंड में माहौल खराब करने के लिए कैंप कर रहे असम के सीएम : यशवंत

» बोले- भाजपा के पास हिंदू-मुस्लिम के अलावा कुछ भी नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। पूर्व वित्तमंत्री व राष्ट्रपति के रूप में विपक्ष के उम्मीदवार रहे यशवंत सिन्हा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वो माहौल खराब करने के लिए झारखंड में कैंप कर रहे हैं। झारखंड में दंगा होगा और इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी उठा लेगी। ऐसे में यहां की सरकार को उन पर केस करना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के पास हिंदू-मुस्लिम के अलावा कुछ भी नहीं है।

वहीं पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने कहा कि बीजेपी अटल बिहारी वाजपेयी के सिद्धांतों से दूर होती जा रही है। जिसकी वजह से उन्होंने एक ऐसी पार्टी बनाई है जो अटल बिहारी वाजपेयी के पद चिन्हों पर चलेग।

देश के पूर्व वित्त और विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने हजारीबाग में अटल विचार मंच राजनीतिक पार्टी का गठन किया है। उन्होंने इस राजनीतिक पार्टी की सदस्यता का पहला फॉर्म भरा और पार्टी के पहले सदस्य बने. हजारीबाग के पुराने बीजेपी कार्यालय अटल भवन में अटल विचार मंच का दफ्तर खुला है। यशवंत सिन्हा ने हजारीबाग में ऐलान किया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी सभी 81 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है। इसकी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

सत्ता विरोधी लहर, ढायेगा भाजपा पर कहर!

कांग्रेस व आप के गठबंधन न होने का कोई असर नहीं

» सर्वे ने चौंकाया, बीजेपी के तीसरी बार सरकार बनाने के मंसूबे नहीं होंगे कामयाब

» केजरीवाल की वापसी व पहलवालों की चुनावों में आने से बीजेपी घबराई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में आप से कांग्रेस की बात नहीं बनी। आप ने 90 सीटों पर प्रत्याशी उतार दिए हैं। वंही भाजपा ने जो सीटें बांटी है उससे उसके अपने नाराज हो गए हैं। छोटे से लेकर बड़े नेता पार्टी को रो-रो को छोड़ रहें है। उधर जो सर्वे आ रहें हैं वहं बीजेपी की पेशानी पर बल ला रहे हैं। दरअसल राज्य में सत्ता विरोधी लहर के संकेत मिल रहे है जिसमें भाजपा सरकार की तिकड़ी बनाने की हसरतों पर पानी फिर रहा है। उधर विनेश व बजरंग के कांग्रेस में शामिल होने से निराशा अभी थमी नहीं थी कि बीजेपी को दिल्ली के सीएम के जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद उसे और बेदम कर दिया है। हालांकि भाजपा दावा कर रही है कि कोइ फर्क नहीं पड़ेगा पर ऐसा नहीं है उसके अपने लोग तो उसे परेशान कर रहे हैं अब विपक्ष ने भी मजबूती से सैनी सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं।

हालांकि हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी है। आप ने प्रत्याशियों की दो-दो सूची जारी कर दी है, सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान भी कर दिया है।हरियाणा विधानसभा चुनाव के मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, राजनीतिक दलों में उठापटक हो रही है, दलबदल का सिलसिला जारी है, गठबंधन टूट रहे हैं जो नये जुड़ रहे हैं। प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने को आतुर भाजपा के सामने इस बार चुनौतियां कम नहीं हैं, वही कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से अति-उत्साहित दिखाई दे रही है, आम आदमी पार्टी भी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने में जुटी है। हरियाणा में तू डाल-डाल, मैं पात-पात की कशमकश जोरों से चल रही है। विनेश और बजरंग पहलवान को शामिल करके कांग्रेस खुशियां मना रही थी, लेकिन 'आप' से हो रहा समझौता टूटते ही कांग्रेस की खुशियां कुछ हद तक फीकी दिखाई देने लगीं। फिर भी भूपिंदर सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस हरियाणा में अपनी बहुमत की सरकार बनाने का दावा कर रही है। भाजपा भी यहां अपनी सरकार बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस बार हरियाणा के चुनावों पर समूचे देश की नजरे लगी है। फिर भी दोनों दलों में कुछ लोग हैं, जो अभी गठबंधन की उम्मीद छोड़ने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि यही गठबंधन कांग्रेस की जीत का बड़ा कारण माना जा रहा है। इस गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक छंटते हुए

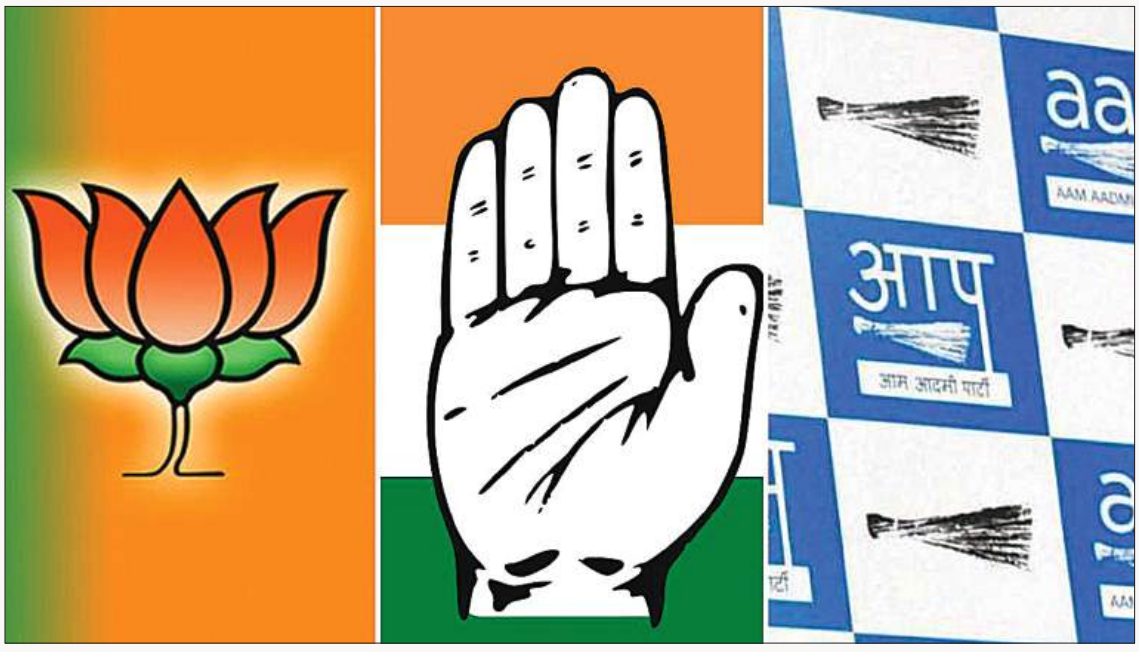

भाजपा की सीटों में आएगी कमी

लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में आई कमी के बाद विपक्ष को जो थोड़ी धार मिली है, उसका जो मनोबल बड़ा था, उसके मद्देनजर ये चुनाव अहम माने जा रहे हैं। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र और झारखंड में भी चुनाव होने हैं। दिल्ली विधानसभा के चुनाव भी ज्यादा दूर नहीं हैं। ऐसे में हरियाणा विधानसभा चुनाव में अगर इंडिया गठबंधन साथ मिलकर मजबूती से लड़ता और अच्छी जीत दर्ज करा पाता तो उसका असर न केवल आने वाले विधानसभा चुनावों पर बल्कि पूरे विपक्ष के मनोबल पर पड़ने वाला था। इंडिया गठबंधन के कारण सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा को ही झेलना पड़ता है। इसलिये इस गठबंधन की मजबूती ही भाजपा के लिये असली चुनौती है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों को याद करें तो इस पर लगभग आम राय है कि वहां कांग्रेस को प्रदेश नेतृत्व के अति आत्मविश्वास का नुकसान हुआ। असल सवाल विपक्षी वोटों के बंटवारे का है। जिस तरह से आप प्रत्याशियों की सूची जारी कर रही है, उससे साफ है कि वह इसी पहलू की ओर इशारा कर रही है कि उसे सीटें भले न आएं, कांग्रेस को कई सीटों का नुकसान तो हो ही सकता है। भाजपा लम्बे समय से हरियाणा में कमजोर बनी हुई है, भले ही सरकार उसी की हो। अपनी लगातार होती कमजोर स्थितियों में सुधार लाने एवं प्रदेश में भाजपा को मजबूती देने के लिये ही लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मनोहर लाल के स्थान पर ओबीसी वर्ग के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर सत्ता विरोधी कारकों को कम करने की कोशिश की थी, लेकिन भाजपा को उसका पूरा लाभ नहीं मिल सका।

गठबंधन टूटने का नहीं होगा असर

हरियाणा कांग्रेस एवं उसके नेता प्रारंभ से ही स्वतंत्र चुनाव लड़ने के पक्ष में रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, दस वर्षों की सत्ता-विरोधी लहर के मद्देनजर भाजपा 2019 से कमजोर स्थिति में है, जब उसे 90 सीटों की विधानसभा में 40 सीटें ही मिल पाई थीं। हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनावों के नतीजे भी संकेत दे रहे हैं जहां पिछली बार की दसों सीटों की जगह उसे सिर्फ 5 सीटें मिलीं। आप को कांग्रेस के साथ गठबंधन में यहां एक लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने का मौका मिला था, लेकिन वह हार गई थी। इसी स्थिति को देखते हुए ही प्रदेश कांग्रेस आप के साथ गठबंधन को पूरी तरह गैर जरूरी मान रहा है। लेकिन कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व राजनीति गणित को देखते हुए आप के साथ गठबंधन को लेकर निरन्तर प्रयास करता रहा। यही कारण दोनों दल गठबंधन के लिए बातचीत की मेज पर बैठे। राहुल गांधी अब लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और उनकी प्राथमिकता यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की एकजुटता और उसकी मजबूती में किसी तरह की कमी न दिखे ताकि केंद्र सरकार और भाजपा पर उसका दबाव बना रहे।

आप सत्ता के गणित को करेगी प्रभावित

हरियाणा में आप पार्टी कोई चमत्कार घटित करने की स्थिति में नहीं है। उसकी भूमिका सत्ता के गणित को प्रभावित करना मात्र है। कुछ सीटें उसके खाते में जा सकती है, जिसका रोल भविष्य की सत्ता की राजनीति में हो सकता है। अरविन्द केजरीवाल के जातीय गणित के कारण 'आप' पार्टी कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचा सकता है तो कुछ नुकसान भाजपा का भी कर सकती है। कम वोटों के अंतर से होने वाली जीत-हार में 'आप' पार्टी का असर साफ दिखने वाला है। देर से ही सही, हो सकता है कांग्रेस नेतृत्व को यह बात समझ में आ जाए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी होगी। हालांकि चुनाव परिणाम आने पर ही असल माजरा समझ आएगा, लेकिन यह तय है कि भाजपा को दस साल के राज के बावजूद कमजोर नहीं माना जा सकता।

दिखाई दे रहे हैं। लेकिन भाजपा की जीत अभी भी निश्चित नहीं मानी जा रही है। भले ही 'आप' को दूर रखकर हरियाणा कांग्रेस की राज्य इकाई खुश हो रही हो, लेकिन इसका फायदा भाजपा को ही होने वाला है क्योंकि 'आप' प्रत्याशियों को जहां भी, जितने भी वोट मिलने वाले हैं, वे जाएंगे कांग्रेस के खाते से ही। इस त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही

पहलवानों का आना भी भाजपा के लिए खतरा

पहलवानों से जुड़ा मामला और बृजभूषण शरण सिंह पर लगे आरोप भी हरियाणा चुनाव में अहम मुद्दा बन गए हैं। पहलवानों ने सिंह पर उन्हें न्याय और सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया है, जिससे हरियाणा में राजनीतिक परिदृश्य में एक नया आयाम जुड़ गया है। हरियाणा में पहलवानों की सबसे अधिक संख्या और कुश्ती में एक मजबूत परंपरा होने के बावजूद, समर्थन की कथित कमी पर चिंता है। खेलो इंडिया पहल में, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों को ब?ावा देना है, गुजरात को सबसे अधिक बजट आवंटित किया गया, जिससे हरियाणा के खेल समुदाय में असंतोष पैदा हुआ। यह मुद्दा राज्य में एथलीटों के लिए संसाधनों और समर्थन के वितरण में कथित असंतुलन को उजागर करता है। इन स्थितियों में विनेश और बजरंग पहलवान के कांग्रेस में शामिल होने का पार्टी को लाभ मिलेगा। हरियाणा चुनाव में उठाये जा रहे मुद्दों पर गौर करे तो ये संकेत भाजपा के लिये संकट का कारण बन रहे हैं। कुल मिलाकर इस बार हरियाणा के चुनावों में ल?ाई कई दलों के लिये आरपार की है। 'अभी नहीं तो कभी नहीं'- हरियाणा का सिंहासन लूने के लिये सबके हाथों में खुजली आ रही है। इसमें हरियाणा के मतदाता की जागरूकता, संकल्प एवं विवेक ही प्रभावी भूमिका अदा करेंगा।

किसानों व बेरोजगारों की नाराजगी पड़ेगी भारी

सत्ता विरोधी वातावरण बना तो किसानों व बेरोजगारों की नाराजगी बड़ी चुनौती बन कर सामने आयी। भाजपा द्वारा पेश किए गए तीन विवादास्पद कृषि कानून हरियाणा में विवाद का मुख्य मुद्दा बने हुए है। राज्य के किसानों ने इन कानूनों का विरोध किया, उनका दावा है कि ये उनकी फसल की बिक्री और आय पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। केन्द्र की अग्निपथ योजना भी इन चुनावों में एक विवादास्पद मुद्दा बनी हुई है। इसने राज्य के युवाओं में चिंता पैदा कर दी है। आलोचकों का मानना है कि यह स्थायी भर्ती से दूर जाने का कदम है, जिससे सैनिकों के लिए रोजगार में अस्थिरता पैदा होती है। इन चुनावों में बेरोजगारी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, राज्य की बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में सरकारी नीतियों पर काफी बहस चल रही है, जिससे यह चुनावों में एक केंद्रीय मुद्दा बन गया है।

केजरीवाल के बाहर आने से आप जोश में

रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का गृह प्रदेश और दिल्ली व पंजाब का सीमावर्ती प्रदेश होने से इस बार उसकी दावेदारी बेहतर होगी। हरियाणा चुनाव की घोषणा होने के बाद से केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने अभियान की कमान संभाल रखी थी। जमानत मिलने के बाद से मनीष सिसोदिया का दखल भी प्रदेश में बढ़ा था। आप के दूसरे नेता भी चुनावी अभियान का हिस्सा थे। फिर भी, पार्टी रणनीतिकारों पर अरविंद केजरीवाल की गैर-मौजूदगी भारी पड़ रही थी। केजरीवाल की जमानत से पूरी पार्टी को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है।

माना जा रहा है कि केजरीवाल के हाथ में चुनाव की कमान जाने से संगठन मजबूती के साथ एकजुट होगा। साथ में शीर्ष नेतृत्व के मैदान में होने से नाराज नेताओं की सक्रियता भी बढ़ेगी। इससे आप का चुनावी अभियान तेज होगा।

हरियाणा चुनाव में समय कम होने से पार्टी का जोर केजरीवाल को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने का होगा। इसमें रोड शो व नुक्कड़ सभाओं को कारगर माना जा रहा है। बेहद जरूरी होने पर ही पार्टी बड़ी सभाओं में केजरीवाल को उतारेगी। अपने शीर्ष नेता के जरिये आप कांग्रेस और भाजपा पर हमलावर रहेगी। आप का ज्यादा आक्रामक अभियान भाजपा के खिलाफ दिखेगा। जेल से निकलकर केजरीवाल अपने अभियान को धार देंगे। एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि एक-दो दिन में इसकी रणनीति तैयार कर ली जाएगी। इसमें जोर रोड शो पर रहेगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भावुक व ऊर्जा से भरे दूरदर्शी नेता थे येचुरी

कमजोरों की आवाज को जोरदार तरीके से सत्ताधीशों के कान तक पहुंचाने वाले कॉमरेड येचुरी की आवाज अब हमेशा के लिए शांत हो गई। उनका निधन भारत के लिए अपूर्णीय क्षति है। पूरा देश उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दे रहा है। ऐसे नेताओं का उदय इस धरती पर कभी कभार ही होता है। वंचितों, दलितों, किसानों, आदिवासियों और मजलूमों की एक और बुलंद आवाज 12 सितम्बर को शांत हो गई। वामपंथ के प्रमुख युगद्रष्टा कॉमरेड सीताराम येचुरी के रूप में देश ने एक बेहद संवेदनशील, भावुक, ऊर्जा से भरे दूरदर्शी नेता को खो दिया। जीवन के 72वें वसंत पूरे करके येचुरी ने गुरुवार को दिल्ली स्थित 'एम्स' अस्पताल में अंतिम सांस लेकर नश्वर संसार को अलविदा कहकर अपने परमधाम को चले गए। जीवन भर अपने लिए न जीकर आमजन के लिए जीने वाले सीताराम येचुरी ने मरने के बाद अपने शरीर को दान दे दिया ताकि चिकित्सकीय ज्ञान लेने वाले रिसर्च कर सकें। उनका निधन देश की राजनीति खासकर वामपंथी, फासिज्म विरोधी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक की मौजूदा हिचकोले लेती व्यवस्था के लिए गहरे आघात जैसा है।

येचुरी वामपंथ सियासत में ही लोकप्रिय नहीं थे, वे भारतीय राजनीति के भी चर्चित चेहरे थे। यूपीए-एक और यूपीए-दो में उनका बोलबाला था। कांग्रेस हुकूमत के दोनों टर्मों में वाम नेता कांग्रेस को समर्थन नहीं देने के पक्ष में नहीं थे। लेकिन येचुरी ने सभी को मनाया और बिना शर्त बाहर से समर्थन देने को अपने साथियों को राजी किया। तभी से राहुल गांधी और सोनिया गांधी के वो चहते बने, राहुल ने कई मर्तबा सार्वजनिक तौर पर स्वीकार भी कि उन्होंने राजनीति की तमाम एबीसीडी सीताराम येचुरी से सीखीं। विपक्ष के नेता भी उनका सम्मान करते थे पीएम मोदी ने भी उनके निधन पर दुख प्रकअ किया। सीताराम येचुरी का संपूर्ण जीवन जनसरोकारों के लिए सबसे जुझारू और संघर्षशील व्यक्ति की भूमिका निभाते बीता। इमरजेंसी में उन्हें भी जेल में डाला गया। इंदिया गांधी की हुकूमत को आगे बढ़कर ललकारने वाले वह एक मात्र ऐसे नेता थे, जिन्होंने इंदिया गांधी के आंखों में आंखे डालकर न सिर्फ उनकी आलोचनाएं की थी, बल्कि उनका इस्तीफा भी सरेआम मांगा था। लेकिन वह ऐसा दौर था जब प्रशंसा और आलोचनाओं की कद्र हुआ करती थी। अब आलोचना करने वाले को या तो देशद्रोही कहा जाता है, या फिर उनके पीछे जांच एजेंसियां लगवा दी जाती हैं। सीताराम येचुरी नि:संदेह भारतीय राजनीति में बेहतरीन दौर जीकर गए हैं। वह अपने जीवनकाल के अंत तक राजनीति में एक्टिव रहे। अब ऐसा नेता भारत में आना संभव नहीं है। पूरे देश की ओर से इस महान आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि!

वामपंथ के प्रमुख युगद्रष्टा कॉमरेड सीताराम येचुरी के रूप में देश ने एक बेहद संवेदनशील, भावुक, ऊर्जा से भरे दूरदर्शी नेता को खो दिया। जीवन के 72वें वसंत पूरे करके येचुरी ने गुरुवार को दिल्ली स्थित 'एम्स' अस्पताल में अंतिम सांस लेकर नश्वर संसार को अलविदा कहकर अपने परमधाम को चले गए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खाड़ी देशों के साथ मजबूत होते रिश्ते

डॉ धनंजय त्रिपाठी

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान की भारत यात्रा कई मायनों में बहुत अहम है। उन्होंने पिछले साल क्राउन प्रिंस का दायित्व संभाला है तथा भविष्य में वे संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति भी हो सकते हैं। यह उनकी पहली भारत यात्रा है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हुई है। इस दौरे में अनेक महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं। इसमें एक बड़ा समझौता परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को लेकर है। कुछ दिन पहले ही संयुक्त अरब अमीरात के पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण कार्य पूरा हुआ है। यह अरब देशों में स्थापित होने वाला पहला ऐसा संयंत्र है। इस समझौते को इसलिए बहुत अहम माना जा रहा है क्योंकि इससे दोनों देशों के राजनीतिक और रणनीतिक संबंधों को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस दौरे में तेल और गैस को लेकर भी उल्लेखनीय समझौते हुए हैं, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से बेहद अहम हैं।

अत्याधुनिक तकनीकों तथा क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। निवेश की कुछ परियोजनाओं पर भी समझौता हुआ है। क्राउन प्रिंस शेख खालिद की इस यात्रा की उपलब्धियों को बीते कुछ समय में संयुक्त अरब अमीरात के साथ हुए समझौतों के साथ रख कर देखा जाना चाहिए। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं के इस्तेमाल पर सहमति बनी है। अमीरात भारत के सबसे बड़े निवेशक देशों में है। साल 2022 में प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान अमीरात और भारत के बीच एक व्यापक व्यापार समझौता हुआ था, जिसके तहत अमीरात ने भारत में दस वर्षों में सौ अरब डॉलर के निवेश का वादा किया है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश समझौता भी है। इन प्रयासों से द्विपक्षीय व्यापार को बड़ी गति मिली है। साल 2022 में यह व्यापार 72 अरब डॉलर का था, जो 2023 में बढ़कर 84 अरब डॉलर हो गया। उल्लेखनीय है कि संयुक्त अरब अमीरात भारत के लिए पहला ऐसा देश है, जिसके साथ व्यापार और निवेश दोनों के संबंध में समझौते हैं।

विभिन्न खाड़ी देशों की तरह अमीरात में भी बहुत बड़ी संख्या में भारत के लोग काम करते हैं। अमीरात ने यह हमेशा रेखांकित किया है कि उसके विकास में भारतीयों का अग्रणी योगदान रहा है। यह बात भी बड़े दिनों से चल रही है कि भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआइ को अमीरात में भी लागू किया जायेगा और वहां के स्थानीय एप के साथ उसे

जोड़ा जायेगा। अपनी मुद्रा में कारोबार और यूपीआइ प्रणाली से वहां कार्यरत भारतीयों और भारतीय पर्यटकों को बहुत फायदा होगा तथा उन्हें भारत में अपनी कमाई भेजने में भी सहूलियत होगी। अरब जगत में संयुक्त अरब अमीरात की बड़ी अहमियत है। वह वैश्विक व्यापार का एक महत्वपूर्ण ट्रांजिट प्वाइंट है तथा उसका राजनीतिक प्रभाव भी है। उसके साथ भारत के गहराते संबंधों से यह इंगित होता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में, भारत के प्रभाव में भी ठोस बढ़ोतरी हो रही है। बीते वर्षों में उस क्षेत्र को लेकर भारत ने बहुआयामी रणनीति अपनायी है, जिसके तहत सऊदी अरब के साथ संबंधों में बेहतरी आयी है। पिछले साल जी-20 शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की राजकीय यात्रा भी हुई थी। जब अगस्त 2019 में भारतीय संसद ने अनुच्छेद 370 को लेकर संशोधन किया था, तब पाकिस्तान ने सऊदी अरब से इसका विरोध करने का अनुरोध किया था, लेकिन उस निवेदन को सऊदी अरब ने ठुकरा दिया था। पश्चिम एशिया में संबंध बेहतर बनाने में भारत को सफलता मिली है, उससे न केवल उस क्षेत्र में उसके प्रभाव में बढ़ोतरी हुई है, बल्कि विश्व राजनीति में भी उसका महत्व बढ़ा है। कतर के साथ भी हमारा बड़ा ऊर्जा व्यापार है। कुछ समय पहले वहां गिरफ्तार भारतीयों को भी मुक्त कराने में सफलता मिली थी। कतर में भी भारतीय अप्रवासियों की बहुत बड़ी संख्या है। साथ ही, दोहा हवाई मार्ग का एक अहम पड़ाव है। बहरीन से भी सहयोग बढ़ रहा है। जब शेख खालिद भारत में थे, तब भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर सऊदी अरब के दौरे पर थे। वहां वे खाड़ी देशों के विदेश मंत्रियों के साथ साझा बैठक के लिए गये थे। यह पहला अवसर है, जब खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ भारतीय विदेश मंत्री की संयुक्त बैठक हुई है।

अब यह बैठक आगे नियमित रूप से होती रहेगी। यह भी पश्चिम एशिया से गहरे होते रिश्तों का एक उदाहरण है। खाड़ी देशों पर भारत की ऊर्जा निर्भरता है। हमने देखा है कि भू-राजनीतिक या अन्य कारणों से जब आपूर्ति बाधित होती है या तेल एवं गैस के दामों में वृद्धि होती है, तब भारत के लिए मुश्किल स्थिति पैदा हो जाती है। जैसा पहले कहा गया है, इन देशों में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं। ऊर्जा सुरक्षा और अप्रवासी भारतीयों के हितों की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि शीर्ष स्तर पर भारत का नियमित संपर्क एवं संवाद इन देशों के नेतृत्व के साथ रहे। खाड़ी देश व्यापार और निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं, ताकि वे अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता ला सकें।

राजनीति के साथ दिलों को जीतने का हुनर

इंद्रजीत सिंह

देश भर से शोक व्यक्त करने हेतु लोगों द्वारा सीताराम येचुरी के साथ जिस तरह से अपने अपने फोटो पोस्ट किये जा रहे हैं वह पुष्टि करता है कि वे जहां भी गए वहीं दिलों पर अपनेपन की छाप छोड़ आए। इन पंक्तियों के लेखक के उनसे समकालीन साथी के तौर पर 50 वर्ष सरोकार रहे। सीताराम येचुरी जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष बने। साल 1975 में आपातकाल का विरोध करने पर दोनों गिरफ्तार हुए। पार्टी की जिम्मेदारियों के चलते साथ काम करने की लंबी अवधि गुजरी।

समय से पहले चले जाने वाली किसी असाधारण शख्सियत पर लिखना वास्तव में बहुत कठिन होता है। पांच दशकों तक सक्रिय राजनीतिक जीवन में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय धरातल पर अपनी छाप छोड़ने वाले सीताराम येचुरी केवल 72 वर्ष के ही थे। 12 सितंबर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से उनकी दुखद मृत्यु की खबर बड़े झटके जैसी थी। देश भर से शोक व्यक्त करने हेतु लोगों द्वारा सीताराम येचुरी के साथ जिस तरह से अपने अपने फोटो पोस्ट किये जा रहे हैं वह पुष्टि करता है कि वे जहां भी गए वहीं दिलों पर अपनेपन की छाप छोड़ आए। इन पंक्तियों के लेखक के उनसे समकालीन साथी के तौर पर 50 वर्ष सरोकार रहे। सीताराम येचुरी जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष बने। साल 1975 में आपातकाल का विरोध करने पर दोनों गिरफ्तार हुए। पार्टी की जिम्मेदारियों के चलते साथ काम करने की लंबी अवधि गुजरी।

सीताराम येचुरी बहुप्रतिभावान व्यक्तित्व थे। उत्कृष्ट वामपंथी नेता, प्रखर विचारक, संवैधानिक बारीकियों के ज्ञाता थे। राज्य सभा में अपने बेहतरीन योगदान के लिए 2017 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ सांसद के पुरस्कार से नवाजा गया। कम्युनिस्टों की जो कट्टरता वाली परंपरागत छवि गढ़ कर बनाई जाती है उसको बदलते हुए एक असल उदारतावादी और मानवीय सरोकारों वाली पहचान स्थापित करने का श्रेय उन्हें अवश्य जाता है। बता दें कम्युनिस्टों को धर्म के विरुद्ध बताकर विभिन्न धर्मों में आस्था रखने वाले लोगों के बीच उनकी छवि अकसर कट्टरवादी के रूप में गढ़ी जाती रही। येचुरी ने बीते दिनों अपने संबोधन में धर्म और राजनीति के बीच आवश्यक दूरी को जरूरी बताया था। उनके मुताबिक, 'धर्म और राजनीति के बीच में एक रेखा होती है। उसे लक्ष्मण रेखा माना जाना चाहिए। यदि उसका उलंघन होता है तो वह न केवल राजनीति बल्कि धर्म के लिए भी हानिकारक है। वे आगे कहते हैं कि धर्म हर व्यक्ति का निजी मामला होता है।

धर्म आत्मा और परमात्मा के बीच का संबंध है। किस व्यक्ति का परमात्मा कौन है वह केवल उस व्यक्ति की आत्मा जानती है। आत्मा और परमात्मा के बीच में किसी का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं।' कम्युनिस्ट होते हुए रामायण व महाभारत जैसे भारतीय पौराणिक ग्रंथों के लोकप्रिय संदर्भों को निकाल कर उन्हें समकालीन परिस्थितियों के साथ जोड़ कर प्रासंगिक बनाने में सीताराम येचुरी को महारत हासिल थी। भारतीय संविधान की बुनियादी प्रस्थापनाओं और सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय-समय पर की गई समीक्षाओं को आधार बनाकर मौजूदा संदर्भों में व्याख्या करने के मामले में सीताराम येचुरी को संसद के भीतर और बाहर कोई हल्के में नहीं ले सकता था।

राज्य सभा में जनतंत्र, आर्थिक स्थिति, धर्मनिरपेक्षता, राष्ट्रीय संप्रभुता, केन्द्र-राज्य संबंधों के स्वरूप और एक स्वतंत्र विदेश नीति को लेकर उनके भाषण आने वाले चुनौतीपूर्ण दौर में धरोहर से कम नहीं। सीताराम येचुरी की शख्सियत की तीसरी खासियत यह थी कि वे राजनीतिक दलों के बीच तालमेल बिठाने के एक ऐसे शिल्पकार थे जिसकी स्वीकार्यता सर्वमान्य रही। हाल की जटिलतम राजनीतिक परिस्थितियों में विभिन्न विचारधाराओं वाले दलों को साथ लाकर इंडिया गठबंधन की स्थापना करने जैसे कठिन काम को अंजाम देने में सीताराम येचुरी की भूमिका निर्णायक मानी जाती है। वैचारिक स्पष्टता और वचनबद्धता उनमें ऐसे गुण थे जिनकी बदौलत उन्हें अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच एक विश्वसनीयता प्राप्त थी।

प्रकाश करात और सीताराम येचुरी उस नई पीढ़ी के नेता थे जिन्होंने राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन के पुरोधा ईएमएस नंबूदरीपाद, ज्योति बसु, हरकिशन सिंह सुरजीत सरीखे कद्दावर नेताओं से जिम्मेदारी धारण करने का साहस दिखाया और इस दायित्व को बखूबी निभाया भी। कम्युनिस्ट पार्टियों में ऐसा इसलिए संभव हो पाता है कि ये पार्टियां सामूहिक कार्यपद्धति से संचालित होती हैं। हिंदी व अंग्रेजी में एक समान दक्षता से लिखने व बोलने वाले सीताराम येचुरी तेलुगू भाषी परिवार में पैदा हुए थे। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में वह लोकप्रिय वक्ता के रूप में जाने जाते थे। अर्थशास्त्र के विषय में उन्होंने स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री बतौर टॉपर सेंट स्टीफंस कॉलेज से की और जेएनयू में पीएचडी में प्रवेश लिया। छात्र संघ के अध्यक्ष बनने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर भारत के छात्र फेडरेशन के अध्यक्ष और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के केंद्रीय कमेटी और पोलित ब्यूरो के सदस्य रहते हुए गत दस साल से अब तक पार्टी के महासचिव रहे। एक जिंदादिल इंसान, काबिल विद्वान, देश की एकता और उसके इंसानों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए ताउम्र सक्रिय रहने वाले राजनेता सीताराम अलविदा!

घर में कौए का आना

पितृ पक्ष में कौए का विशेष महत्व होता है। यदि पितृ पक्ष के दौरान कौआ आपके घर में आकर भोजन ग्रहण करता है तो इसका अर्थ यह है कि आपके पूर्वज आपके आसपास मौजूद है और वह आपको अपना आशीर्वाद दे रहे हैं। इसलिए पितृपक्ष में रोजाना कौए के लिए भोजन निकालना चाहिए। ऐसा करने पर आपके ऊपर पितरों की दया दृष्टि बनी रहती है।

पितृ पक्ष में करें ब्राह्मणों को दान

धन-समृद्धि का आशीर्वाद देंगे पितर

पितृ पक्ष में कुछ खास चीजें खरीदने और उनका दान करने से पूर्वज बहुत प्रसन्न होते हैं। परिवार में खुशियां आती है। पितृ पक्ष में जौ की खरीदारी करने से अन्न-धन के भंडार कभी खाली नहीं होते। जौ को धरती का पहला अनाज माना गया है. धार्मिक दृष्टि से इसे सोने के समान माना जाता है। पितृ पक्ष में जौ का दान स्वर्ण दान के समान फल प्रदान करता है। इससे पितृ दोष दूर होता है। श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त सरसों के तेल का दीपक लगाना चाहिए. इससे वे तृप्त होते हैं। इन 15 दिनों में सरसों और चमेली के तेल का दान करने से घर में धन-संपत्ति की समस्या दूर होती है। कोई भी श्राद्ध काले तिल के बिना अधूरा माना जाता है। तर्पण के समय हाथ में जल और काला तिल लेकर ही पूर्वजों को जल अर्पित किया जाता है। पितृ पक्ष में काला तिल घर लाने और दान करने से वंश का विस्तार होता है। संतान सुख मिलता है। कुश की उत्पत्ति श्रीहरि विष्णु के रोम (बाल) से हुई है। श्राद्ध में कुशा बहुत महत्वपूर्ण सामग्री होती है। कुशा की अंगूठी पहनकर ही पूर्वजों का तर्पण करते हैं। इसके बिना वह जल स्वीकार नहीं करते। ऐसे में पितृ पक्ष में कुश घर लाने से परिवार में खुशहाली आते हैं। इसके प्रभाव से माहौल सकतारात्मक रहता है। बिगड़े काम बन जाते हैं। चावल को चांदी के समान माना जाता है। पितरों को ध्यान करके कच्चे चावल का दान करना चाहिए। इससे आपके आर्थिक तंगी दूर होती है।

पितृ पक्ष की आरंभ तिथि

2024 में श्राद्ध 17 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक चलेगा। यह 16 दिनों की अवधि होती है, जिसमें हिंदू धर्म के अनुयायी अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म करते हैं। पितृपक्ष का आरंभ भाद्रपद पूर्णिमा से होता है और इसका समापन आश्विन अमावस्या को होता है, जिसे सर्वपितृ अमावस्या कहा जाता है। इस अवधि में पितर पृथ्वी पर आते हैं और अपने वंशजों से आशीर्वाद की प्रतीक्षा करते हैं। पितरों को संतुष्ट करने के लिए इस समय किए गए श्राद्ध और दान को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

महत्व

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, हमारी पिछली तीन पीढ़ियों की आत्माएं पितृ लोक में रहती हैं, जिसे स्वर्ग और पृथ्वी के बीच का क्षेत्र कहा जाता है। इस क्षेत्र का नेतृत्व मृत्यु के देवता यम करते हैं। ऐसा माना जाता है जब ऐसा माना जाता है कि जब अगली पीढ़ी का कोई व्यक्ति मर जाता है, तो पहली पीढ़ी को भगवान के करीब लाते हुए स्वर्ग ले जाया जाता है। पितृलोक में केवल अंतिम तीन पीढ़ियों को ही श्राद्ध कर्म दिया जाता है। पितृपक्ष में अपने-अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार उनका श्राद्ध किया जाता है । मान्यता है कि जो लोग पितृपक्ष में पितरों का तर्पण नहीं करते उन्हें पितृदोष लगता है। श्राद्ध करने से उनकी आत्मा को तृप्ति और शांति मिलती है। वे आप पर प्रसन्न होकर पूरे परिवार को आशीर्वाद देते हैं। हर साल लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए गया जाकर पिंडदान करते हैं।

कैसे करें श्राद्ध

श्राद्ध का काम गया में या किसी पवित्र नदी के किनारे भी किया जा सकता है। इस दौरान पितरों को तृप्त करने के लिए पिंडदान और ब्राह्मण को भोजन कराया जाता है। अगर इन दोनों में से किसी जगह पर आप नहीं कर पाते हैं तो किसी गौशाला में जाकर करना चाहिए। घर पर श्राद्ध करने के लिए सुबह सूर्योदय से पहले नहा लीजिए। इसके बाद साफ कपड़े पहनकर श्राद्ध और दान का संकल्प कीजिए। जब तक श्राद्ध ना हो जाए तो कुछ भी ना खाएं। वहीं, दिन के आठवें मुहूर्त में यानी कुतुप काल में श्राद्ध कीजिए जो कि 11 बजकर 36 मिनट से 12 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। दक्षिण दिशा में मुंह रखकर बाएं पैर को मोड़कर और घुटने को जमीन पर टिकाकर बैठ जाएं। इसके बाद तांबे के लोटे में जौ, तिल, चावल, गाय का कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद फूल और पानी डालें। हाथ में कुश लेकर और दल को हाथ में भरकर सीध हाथ के अंगूठे से उसी बरत्न में 11 बार गिराएं। फिर पितरों के लिए खीर अर्पित करें।

इसके बाद देवता, गाय, कुत्ता, कौआ और चींटी के लिए अलग से भोजन निकालकर रख दीजिए।

16 दिन के ही क्यों होते हैं श्राद्ध

शास्त्रों के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि किसी भी व्यक्ति की मृत्यु इन सोलह तिथियों के अलावा अन्य किसी भी तिथि पर नहीं होती है। यानी कि जब भी पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है तो उनकी मृत्यु तिथि के अनुसार ही करना चाहिए । इसलिए पितृ पक्ष सर्फ सोलह दिन के होते हैं। हालांकि जब तिथि क्षय होता है तब श्राद्ध के दिन 15 भी हो जाते हैं लेकिन बढ़ते कभी नहीं।

हंसना मना है

वाइफ- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे? हसबेंड- नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है, वाइफ- कैसी गलतफहमी? हसबेंड- यही कि मैं सो रहा था।

टीचर - आज तुमने लेट आने का क्या बहाना ढूंढा? स्टूडेंट - मैडम आज मैं इतना तेज दौड़कर आया कि बहाना सोचने का मौका ही नहीं मिला।

रमेश - जरा देख तो बाहर सूरज निकला या नहीं? सुरेश - बाहर तो अंधेरा है। रमेश - अरे टॉर्च जलाकर देख ले कामचोर।

पत्नी-मैं बचूंगी नहीं मर जाऊंगी। पति- मैं भी मर जाऊंगा। पत्नी-मैं तो बीमार हूं लेकिन तुम किस लिए? पति-मैं इतनी खुशी बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगा।

टीचर - बताओ मंकी को हिंदी में क्या बोलते हैं? स्टूडेंट - बंदर, टीचर - किताब से देख कर बोला है न? स्टूडेंट - नहीं, मैंने तो आपको देख कर बोला।

पत्नी- देखो बारिश का मौसम कितना हसीन है, तुम्हारा क्या प्लान है? पति- मेरा तो वही है 178 में 1 GB/day का 28 दिन के लिए।

कहानी — पाखंडी को परमात्मा नहीं मिलते

श्री कृष्ण के प्रति गोपियों का प्रेम इतना अधिक बढ़ गया था कि वह उनका वियोग एक क्षण भी नहीं सह सकती थी। श्री कृष्ण के वियोग में मूर्छित होने लगी। श्री कृष्ण ने अपने बाल मित्रों से कह दिया था कि किसी गोपी को मूर्छा आए तो मुझे बुलाना। मैं मूर्छा उतारने का मंत्र जानता हूं। किसी गोपी को मूर्छा आती तो शीघ्र ही कृष्ण को बुलाया जाता। श्री कृष्ण जानते थे कि इस गोपी के प्राण अब मुझ में ही अटके हैं। इसे कोई वासना नहीं है। यह जीव अत्यंत शुद्ध हो गया है एवं मुझसे मिलने के लिए आतुर है। अत: श्री कृष्ण उसके सिर पर हाथ फेरते और कान में कहते, शरद पूर्णिमा की रात्रि को तुझसे मिलूंगा। तब तक धीरज रख और मेरा ध्यान कर। यह सुनकर गोपी की मूर्छा दूर हो जाती। वृंदावन में एक वृद्धा महिला, जोकि एक गोपी की सास थी, उसे लगा कि इसमें कुछ गड़बड़ अवश्य है। इन छोकरियों को मूर्छा आती है तो कन्हैया इनके कान में कुछ मंत्र पढ़ता है। मैं भी यह मंत्र जानना चाहती हूं। वृद्धा ने मूर्छित होने का ढोंग करते हुए वह एकदम से गिर गई। उसकी बहू को बहुत दुख हुआ। वह कन्हैया को बुलाने दौड़ी। श्री कृष्ण ने कहा- सफेद बाल वाले पर मेरा मंत्र नहीं चलता है। बाल सफेद होने पर भी दिल सफेद न हो, प्रभु के नाम की माला न जपे, तो ऐसा जीव मरे या जिए, इसमें कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं नहीं जाऊंगा। तू किसी दूसरे को बुला ले। किंतु गोपी ने बहुत आग्रह किया। गोपी का शुद्ध प्रेम था, इसलिए श्री कृष्ण घर आए और वृद्धा को देखकर बोले, इसको मूर्छा नहीं आई है। इसे तो भूत लगा है। किंतु घबराओ मत नवनीत। भूत उतारने का मंत्र भी मुझे आता है। एक लकड़ी ले आओ। वृद्धा घबराई कि अब तो मार पड़ेगी। यह ढोंग तो मुझे ही भारी पड़ जाएगा। कृष्ण ने लकड़ी के दो चार हाथ मारे कि वृद्धा बोल उठी, मुझे मत मारो, मत मारो, मुझे न मूर्छा आई है, न भूत लगा है। मैंने तो ढोंग किया था। पाखंड भूत है। अभिमान भी भूत है। पाखंडी को परमात्मा नहीं मिलते।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज रोजगार में वृद्धि होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। राजनीतिक व्यक्तियों से लाभकारी योग बनेंगे। मनोबल बढ़ने से तनाव कम होगा।

वृषभ

आज व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन ठीक से नहीं हो पाएगा। परिवार की चिंता रहेगी। आय से व्यय अधिक होंगे। अजनबियों पर विश्वास से हानि हो सकती है।

मिथुन

रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। पत्नी के बतलाए रास्ते पर चलने से लाभ की संभावना बनती है। यात्रा से लाभ।

कर्क

अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है। यात्रा आज नहीं करें। परिवार के कार्यों को प्राथमिकता दें। नई योजना बनेगी।

सिंह

आज व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। सामाजिक समारोहों में भाग लेंगे।

कन्या

कुटुंबियों से बिगड़े संबंध पुन: सुधरेंगे। शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। खर्चों में कमी करें। सश्रम किए गए कार्य पूर्ण होंगे।

तुला

आज आपको प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। प्रॉपर्टी से संबंधित कार्य में कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। रुका धन मिलेगा।

वृश्चिक

नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा। विचारों से सकारात्मकता बढ़ेगी।

धनु

व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आलस्य से बचकर रहें।

मकर

व्यापार-व्यवसाय मध्यम रहेगा। किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान की आशंका है। परिवार में तनाव रहेगा।

कुम्भ

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

मीन

आज आपको शुभ समाचार मिलेंगे। परिवार में मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी। आपके कार्यों को समाज में प्रशंसा मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मनोरंजन जगत में लैंगिक समानता जरूरी नहीं: राम

राम कपूर टीवी की दुनिया के बड़े नाम हैं। उन्होंने टीवी पर एक से बढ़कर एक शो में काम किया है। इससे उन्हें घर-घर में पहचान मिली है। टीवी के अलावा वह फिल्मों में भी नजर आते रहे हैं। एक बार फिर वह फिल्म युद्धा में नजर आने वाले हैं। फिल्मी दुनिया में लैंगिक समानता पर काफी बहस होती है। इस बीच अब राम कपूर ने भी इस पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि मनोरंजन उद्योग में लैंगिक समानता जरूरी नहीं है, क्योंकि यह दर्शकों द्वारा निर्देशित की जाती है। टीवी के स्टार अभिनेता ने कहा कि बॉलीवुड में अभिनेता भले ही अभिनेत्रियों से बड़ा रुतबा रखते हैं, लेकिन जब बात टीवी की आती है, तो ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा कि बात जब टीवी की आती है, तो वे अभिनेत्रियों के बाद दूसरे स्थान पर आते हैं और कोई भी इस पर सवाल नहीं उठाता। राम कपूर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मनोरंजन उद्योग में लैंगिक समानता की वास्तव में जरूरत है, क्योंकि हर उद्योग की एक खास गतिशीलता होती है और उस गतिशीलता को दर्शकों द्वारा निर्धारित किया जाता है। उन्होंने आगे कहा, मैं एक ऐसे उद्योग का हिस्सा रहा हूं, जहां महिलाओं का दबदबा है। 15 साल तक मैं टेलीविजन उद्योग का हिस्सा रहा, जहां महिला प्रधान भूमिकाएं पुरुष प्रधान भूमिका से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं। छोटे पर्दे पर सब कुछ तुलसी और पार्वती के बारे में है। पुरुष प्रधान भूमिकाएं महिला प्रधान भूमिका के बाद दूसरे स्थान पर होती हैं, लेकिन उन पूरे 15 सालों में मैंने कभी भी वहां पुरुष प्रधान भूमिका की परवाह नहीं की। अभिनेता ने आगे कहा कि दर्शक यही चाहते थे, इसलिए उनके लिए यह मायने नहीं रखता, फिर चाहे बॉलीवुड हो, जहां पुरुष बेहतर कर रहे हैं, या टेलीविजन हो, जहां महिलाएं बेहतर कर रही हैं।

अब शाहिद कपूर संग इश्क फरमाएंगी तृप्ति डिमरी

विशाल भारद्वाज की एक्शन थ्रिलर फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी दोनों को फाइनल कर लिया गया है। दिग्गज निर्देशक विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म में ये जोड़ी नजर आने वाली है। इस खबर के सामने आने के बाद से फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है। साजिद नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने शुक्रवार को अनाउंसमेंट की है कि उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म अभिनेता शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी को कास्ट किया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर शाहिद, त्रिप्ति, विशाल और साजिद नाडियाडवाला की तस्वीरों का एक कोलाज भी शेयर किया है। इस बात का ऐलान करते हुए बताया गया है कि, मैं प्रतिभाशाली निर्देशक, मेरे प्रिय मित्र विशाल भारद्वाज और अद्भुत अभिनेता शाहिद कपूर के साथ मिलकर काम करने को लेकर काफी एक्साइटेड हूं। वायरल हो रही इस पोस्ट पर तृप्ति ने भी कमें किया है। उन्होंने कमेंट सेक्शन में स्माइली इमोजी पोस्ट की। फिल्म के बारे में और ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन हैंडसम हंक शाहिद को आखिरी बार साइंस फिक्शन रोमांटिक कॉमेडी 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में देखा गया था। वह आगामी एक्शन थ्रिलर 'देवा' में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में पूजा हेगड़े और पावेल गुलाटी भी हैं। रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित और सिद्धार्थ रॉय कपूर द्वारा निर्मित 'देवा' रोमांच और ड्रामा से भरपूर एक्शन से भरपूर रोलर-कोस्टर राइड का वादा करती है। यह 14 फरवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है। वहीं, 'पोस्टर बॉयज़', 'लैला मजनू', 'बुलबुल' और 'काला' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं त्रिप्ति को संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित एक्शन फिल्म 'एनिमल' में जोया के किरदार से बड़ी पहचान मिली है। इस फिल्म में रणबीर कपूर लीड रोल में नजर आए थे। बता दें कि आखिरी बार तृप्ति विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ 'बैड न्यूज' में नजर आई थीं। इस बीच, नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट को 'कमबख्त इश्क', 'मुझसे शादी करोगी', 'हाउसफुल', 'अनजाना अंजानी', '2 स्टेट्स', 'कलंक', 'सुपर 30', 'बागी', 'सत्यप्रेम की' के निर्माण के लिए जाना जाता है।

20 मार्च 2026 को रिलीज होगी रणवीर और आलिया की फिल्म 'लव एंड वार'

मशहूर फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली अपनी अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर चर्चा में हैं। खास बात है कि फिल्म में रणबीर कपूर के साथ आलिया भट्ट की जोड़ी नजर आएगी। वहीं, विक्की कौशल भी फिल्म का हिस्सा हैं। 'लव एंड वॉर' को लेकर अभी से ही फैंस काफी एक्साइटेड हैं। इस बीच फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी सामने आ गई है। वैसे 'लव एंड वॉर' की रिलीज के लिए अभी दर्शकों को काफी लंबा इंतजार करना पड़ेगा। संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' 20 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उस वक्त एक लंबा हॉलिडे पीरियड होगा, जिससे फिल्म के बिजनेस को काफी फायदा मिल सकता है। 'लव एंड वॉर' की रिलीज के दौरान राम नवमी, रमजान और गुड़ी पड़वा जैसे बड़े त्योहार पड़ेंगे। यह वास्तव में 'लव एंड वॉर' को रिलीज करने का सबसे अच्छा समय है, जिससे ऑडियंस को हॉलिडे पर फिल्म का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा। संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल जैसे सितारों को पहली बार बड़े पर्दे पर देखना काफी रोमांचक होगा। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने पहली बार माइथोलॉजिकल 'ब्रह्मस्त्र' (2022) में काम किया था। फिल्म के डायरेक्टर अयान मुखर्जी थे। करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस में बनी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी।

इसके अलावा विक्की कौशल और आलिया भट्ट ने साल 2018 में आई 'राजी' में साथ का काम किया था। 'लव एंड वॉर' से पहले संजय लीला भंसाली, आलिया भट्ट के 'साथ गंगूबाई काठियावाड़ी' फिल्म में साथ काम कर चुके हैं। साल 2022 रिलीज हुई ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी।

अजब-गजब | ऐसी जेल जिसे चलाते हैं खूंखार अपराधी

इस जेल के कैदी अपने विरोधियों को खिला देते हैं मगरमच्छ को

आपने फिल्मों में देखा होगा कि जब खूंखार अपराधी जेल में बंद होते हैं, तो वो जेल के अंदर से अपने साम्रज्य को चलाते हैं। सभी काले कारनामे सलाखों के पीछे से भी चलते रहते हैं। ऐसा सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, असल दुनिया में भी होता है। दुनिया में एक ऐसी जेल है, जो इस वजह से कुख्यात है। इसे बेहद खतरनाक जेलों में से एक माना जाता है। इस जेल में खूंखार अपराधी बंद हैं जो असल मायनों में इसे चलाते हैं। अंदर उनकी ही बंदूकों का राज है और ये भी माना जाता है कि वो अपने दुश्मनों को जेल में मौजूद मगरमच्छ को खिला देते हैं।

वेनेजुएला में एक जेल है जिसके अंदर छोटा सा चिड़िया घर है। इसमें फ्लैमिंगो पक्षी हैं, और मगरमच्छ भी मौजूद हैं। साथ ही जेल में अपना नाइट क्लब है। जेल में बहुत हिंसा होती है और पुलिस भी नहीं रोक पाती। जेल को कैदी ही चलाते हैं। उनको आसानी से हथियार मुहैया करा दिया जाता है। इस जेल का नाम टोकोरॉन जेल है। दावा किया जाता है कि कैदी अपने दुश्मनों को उस मगरमच्छ को खिला देते हैं। रिपोर्ट के अनुसार जेल सालों से कैदियों के कब्जे में था पर पिछले साल सुरक्षाबलों की की मुठभेड़ ट्रेन डी एरागुआ गैंग के लोगों से हुई, जिसके बाद उन्होंने इस जेल पर कब्जा कर लिया। जब सरकारी सुरक्षाबल ने जेल में हमला किया, तब उन्होंने देखा कि अंदर अपराधी कितने ऐश-ओ-आराम से जिंदगी गुजार रहे हैं। जेल परिसर में कैदियों ने लाइन से घर बना लिया था जिसे देखकर वो छोटा-मोटा गांव लग रहा था। दिन के वक्त कैदी और उनका परिवार स्विमिंग पूल में मजे करता था और छतरी के नीचे धूप के मजे लेता था। रात में वो जेल के डिस्को में नाच-गाना करते और कसीनो में जुआ खेलते।

एक कैदी, लुइडिग ओचोआ उस जेल में वक्त बिता चुका है। उसने बताया कि जिस गैंग का जेल पर राज था, अगर उनका दुश्मन कोई जेल में आता तो वो उन्हें मगरमच्छ को खिला देते। एक कैदी ने तो अपने सेल में एक शिकारी कुत्ते को रखा था।

इस जेल के कहा जाता था कि इसके अंदर एक अलग शहर बसा हुआ है। ओचोआ ने द टेलीग्राफ से बात करते हुए कहा था कि जेल में हमेशा शूटिंग होती रहती है और सब कुछ बंदूकों के दम पर ही सुलझाया जाता था। पिछले साल करीब 11000 सिपाहियों को कैदियों से लड़ने के लिए भेजा गया था। जेल में से कैदियों की बीवियां और बच्चे भी मिले थे। गैंग के सीनियर सदस्य पहले ही भाग निकले थे।

इस जानवर का खून है सबसे महंगा एक लीटर की कीमत में आ जाएगी कार!

दुनिया में कई ऐसे जीव हैं जिनके बारे में लोगों को कम जानकारी होती है। पर ये जीव बड़े ही अनोखे और काम के होते हैं। कई बार तो इन जीवों के भरोसे इंसान की जिंदगी टिकी होती है। ऐसा ही एक जीव मौजूद है जिसका खून इस दुनिया में सबसे महंगा मिलता है। 1 लीटर की कीमत में आप एक कार खरीद सकते हैं! आपको जानकर हैरानी होगी कि इस जीव का खून इतना महंगा होता है कि इसे स्टोर कर के रखा जाता है और मेडिकल कामों में लाया जाता है।

नेचरल हिस्ट्री म्यूजियम और मैरीलैंड वेबसाइट के अनुसार हॉर्स शू क्रैब 45 करोड़ साल पुराना जीव है जिसे डायनासोर से भी पुराना बताया जाता है। ये केकड़े अन्य केकड़ों जैसे ही दिखते हैं। इनके शेल होते हैं और बॉडी में टेल भी होती है। इन केकड़ों का खून नीले रंग का होता है। ये नीला रंग हीमोसायनिन की वजह से होता है जो इनके खून में मिला होता है। ये कॉपर बेस्ड रेस्पिरेटरी पिगमेंट होता है। इस खून को नीला सोना भी कहते हैं। स्टडी डॉट कॉम की वेबसाइट के अनुसार 1 लीटर खून की कीमत 15 हजार डॉलर यानी करीब 12 लाख रुपये तक होती है। इतने में तो आप आराम से एक कार खरीद सकते हैं। अब सवाल ये उठता है कि ये खून इतना महंगा क्यों है? दरअसल, इस खून को मेडिसिनल वैल्यू काफी ज्यादा है। मैरीलैंड वेबसाइट के अनुसार इस जीव के खून में एक प्रोटीन होता है जिसे लिमुलस अमीबोसाइट लाइसेट (एलएएल) कहा जाता है। इसका उपयोग दवा और चिकित्सा उपकरण निर्माताओं द्वारा अपने सामान की टेस्टिंग में होता है। वो अपने उत्पादों में एंडोटॉक्सिन, पदार्थों की उपस्थिति का परीक्षण करने के लिए इस खून का प्रयोग करते हैं। ये बैक्टीरियल पदार्थ इंसान को बुखार पैदा कर सकते हैं और मनुष्यों के लिए घातक भी हो सकते हैं। फाइन डाइनिंग लवर्स वेबसाइट के अनुसार ये जीव अमेरिका में एटलांटिक ओशन के तट से मिलते हैं। इन जीवो के ब्लीडिंग प्रोसेस के बाद 10 से लेकर 30 फीसदी केकड़े जिंदा नहीं बच पाते।

बिगड़ गया है पीएम का मानसिक संतुलन : राउत

कहा- क्या बोलना है और क्या बोल रहे उन्हें कुछ नहीं पता

» चुनाव आयोग मोदी व शाह के इशारे पर चल रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी पर करारा हमला बोला है। हालांकि प्रधानमंत्री को लेकर विवादित बयान पर भाजपा ने घारे आपत्ति की है। दरअसल उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है, इसके अलावा उन्होंने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात का आरोप लगाया। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पता नहीं होता है कि वो अब क्या बोलेंगे, उनके मानसिक संतुलन के बारे में पता नहीं चलता है उनका दिमाग सड़ा हुआ है, अगर कोई योजना झारखंड में गलत है तो वो महाराष्ट्र में सही कैसे है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिदें पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री क्या चुनाव की बात करेंगे। वो सिर्फ तारीख दे रहे है, चुनाव आयोग को बताना चाहिये चुनाव कब होगा, ये एकनाथ शिदें को बता रहे हैं। नवंबर में चुनाव की जानकारी क्या उनके दिल्ली वाले मालिक ने दी है? जब तक दिल्ली के दोनो मालिक नही चाहेंगे तब तक चुनाव आयोग महाराष्ट्र में चुनाव नही कराएगा।अगर एकनाथ शिंदे कह रहे कि नवंबर में चुनाव होगा तो हम कहते है यह कभी भी चुनाव ले हमारी जीत पक्की है, जो हाल इनका लोकसभा चुनाव में हुआ था, वही विधानसभा चुनाव में होगा। चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, इस देश में चुनाव आयोग अब स्वतंत्र नहीं है। चुनाव आयोग प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के इशारे पर ही चुनाव का ऐलान करता है। राज्य में महानगरपालिका के चुनाव नहीं हो रहे हैं क्योंकि चुनाव आयोग को पता है कि बीजेपी हारने वाली है।

मुख्यमंत्री बनना मेरी कभी ख्वाहिश नहीं रही : उद्धव

(यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा कभी नहीं रखी। आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के चेहरे के साथ उतरने के प्रति महा विकास आघाडी (एमवीए) सहयोगियों की अनिच्छा की पृष्ठभूमि में उनका यह बयान सामने आया है। अहमदनगर में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी (नवंबर) 2019 में भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा नहीं थी। ठाकरे ने कहा कि चाहे मैं सत्ता में रहूं या नहीं, मैं लोगों के समर्थन से सशक्त महसूस करता हूं। बालासाहेब (ठाकरे) कभी भी सत्ता में नहीं थे, लेकिन लोगों के समर्थन के कारण सभी शक्तियां उनमें निहित थीं।" वह पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए प्रदर्शन कर रहे राज्य सरकार के कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने पिछले महीने एसपी और कांग्रेस से महा विकास आघाडी के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय करने के लिए कहा था, लेकिन उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। एमवीए के मुख्य वास्तुकार और राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि गठबंधन को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। पवार ने कहा था कि मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार इस आधार पर तय किया जाएगा कि गठबंधन में कौन सी पार्टी सबसे अधिक सीट जीतती है। ठाकरे ने आगे कहा कि महाराष्ट्र के लोग उनकी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि जब तक आप मेरा समर्थन करेंगे तब तक कोई मुझे सेवानिवृत्त नहीं कर सकता।

विपक्ष के भ्रमित करने वाले अभियान से बीजेपी को हुआ नुकसान : गडकरी

» बोले- संविधान बदलने के आरोप लगाने से पिछड़ा वर्ग पर पड़ा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 400 पार का नारा दिया था, लेकिन चुनावी परिणाम आने के बाद पार्टी की सीटें 240 ही रह गई। आखिर 303 सीटों से पार्टी 240 पर कैसे आ गई इसका जवाब खुद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिया है।

बीजेपी की लोकसभा चुनाव में सीटें घटने के पीछे गडकरी ने सबसे बड़ा कारण विपक्ष द्वारा मतदाताओं को भ्रमित करना बताया।

एक कार्यक्रम में बोलते हुए गडकरी ने कहा कि विपक्ष ने जो भ्रमित करने वाला अभियान चलाया था, उसमें लोग फंस गए। गडकरी ने इसी के साथ कहा कि विपक्ष ने अपने कानाफूसी अभियान से लोगों को भ्रमित किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने भाजपा पर संविधान बदलने का भी आरोप लगाया, इससे पिछड़ा वर्ग पर असर पड़ा। गडकरी ने ये भी कहा कि किसानों के लिए सरकार जो अच्छा काम करने जा रही थी, वो भी उनके खिलाफ बताए गए। गडकरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भारत की जीत हुई है, क्योंकि विपक्ष के भ्रम फैलाने के बाद भी भाजपा सत्ता में है। उन्होंने इसके साथ ही ये भी कहा कि अब 5 राज्यों में जो चुनाव होंगे उनमें भी 100 फीसद भाजपा ही जीतने वाली है।

आने वाले 5 राज्यों के चुनाव जीतेंगे

विभागों को लूटकर करोड़ों बांट रहे सीएम : तेजस्वी

» राजद नेता ने जारी किया भ्रष्टाचार का वर्ण-पत्र!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला है। उन्होंने अखबार में छपे विज्ञापन की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा सीएम नीतीश कुमार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के कैबिनेट मंत्री बिहार जैसे पिछड़े और गरीब राज्य के अपने विभागों को लूट कर सभी अखबारों में करोड़ों-करोड़ के फुल पेज विज्ञापन दे रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि आश्चर्यजनक है कि यह विज्ञापन नीतीश कुमार की पार्टी जदयू, बिहार सरकार तथा सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की तरफ से आधिकारिक विज्ञापन नहीं बल्कि कैबिनेट के पांच मंत्रियों की तस्वीरों के साथ बिना किसी निवेदक के जारी किया है। यह विज्ञापन टूटते पुलों से प्राप्त कमीशन, जमीन सर्वे, स्मार्ट मीटर तथा थानों और ब्लॉक कार्यालयों में सरकारी भ्रष्टाचार के माध्यम से अर्जित अवैध काली कमाई एवं अवैध धन शोधन से दिया जा रहा है। यह विज्ञापन भी नहीं बल्कि नीतीश कुमार के भ्रष्टाचार का विवरण और शंसापत्र है।

तभी तो घटिया क्वालिटी के गिरते हैं पुल

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि ट्रांसफ़र-पोस्टिंग के नाम पर तथा पुल-पुलिया और सड़क बनाने में अभियंताओं से कमीशन ली जाती है। फिर उसी काली कमाई और धन-शोधन से अभियंताओं को अभियंता दिवस की बधाई दी जाती है। सीएम नीतीश कुमार और उनके मंत्री अभियंताओं और ठेकेदारों से कमीशन लेते है तभी तो घटिया क्वालिटी के पुल गिरते है।

राज्य में हो रहा पुलिस का राजनीतिकरण

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि पुलिस सत्ता संपोषित हो गई है। पुलिस का राजनीतिककरण हो गया है। उन्होंने इस मामले में पीड़ित पक्ष को न्याय मिलना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जिले के जाले विधानसभा क्षेत्र के देवरा बंधौली गांव में फर्जी मतदान के मामले में गिरफ्तार किए लोगों के घर जाकर मुलाकात की है। बता दें कि मधुबनी लोकसभा चुनाव के दिन फर्जी तरिके से मतदान करने को लेकर गिरफ्तार किया गया था। बाद में कामतौल थाने पर हमला कर सभी को ग्रामीणों ने छुड़ा लिया था। इस मामले में क्षेत्र के सभी अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिष्ठित लोगों पर एफआईआर दर्ज किया गया। पूरे तीन महीना तक लोगों ने दहशत में समय गुजारा। पुलिस के डर से गांव ही नहीं क्षेत्र के कई गांवों के अल्पसंख्यक समुदाय के लोग छुप-छुपकर जीवन जिया।

जंगली सियार के आतंक से लोग दहशत में

» आये दिन कर रहा हमला बर्तन धो रही महिला को किया लहूलुहान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। प्रदेश में कई जिलों में जंगली सियार/भेड़िया के आतंक के खबरें लगातार आ रही हैं। सुल्तानपुर जिले के भी कुछ क्षेत्रों में सियार/भेड़िया के हमले की खबरें मिलने लगी है। पिछले दिनों ने अखंडनगर के नगरी में जहाँ सिचाई कर रहे किसान को सियार ने हमले से घायल किया वही मोतिगरपुर क्षेत्र में भी भेड़िये का आतंक बरक़रार है, यहां सियार के हमले लगातार होते ही जा रहे हैं बीती शाम घर के बाहर बर्तन धो रही महिला पर सियार ने हमला बोल दिया जिससे वो घायल हो गयी।

दूसरे गांव में दो अन्य किशोर भी सियार के हमले से लहूलुहान हुए । वन विभाग के कर्मचारी मामले की जांच पड़ताल में लगे हुए हैं। पशुपालकों की सूचना पर सुबह घटनास्थल पर पहुंचे फॉरेस्ट रेंजर डीके श्रीवास्तव, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश पाण्डेय ने निरीक्षण कर मृत शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देर शाम तक रिपोर्ट आने के बाद पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश पाण्डेय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार भेड़ों की मृत्यु का कारण किसी जंगली जानवर का हमला है।

आठ भेड़ों की ली जान

दूसरी तरफ करौदीकलां थानाक्षेत्र के मूसेपुर गांव में बड़ी घटना हुई, बीती रात बाग़ में बँधी भेड़ों पर जंगली जानवर ने हमला बोल कर आठ को मौत के घाट उतार दिया। पशुपालक दूधनाथ पाल, सभालाल पाल, हीरालाल पाल ने बताया कि बीती रात भेड़ों को घर से कुछ दूर बाग़ में बांधा गया था, रात तकरीबन 12 बजे के आसपास कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनकर नींद खुली, मौके पर जाकर देखा तो से आठ जानवर गायब थे, कुछ दूरी पर देखा गया कि जानवरों की जंगली जानवर के हमले से बुरी तरह से मौत हो गई थी। घटना सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे लेकिन हमलावर जानवर के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी।

शिक्षा का उपयोग कलह पैदा करने के लिए न हो : भागवत

» बोले- हिन्दू होने का मतलब दुनिया का सबसे उदार व्यक्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

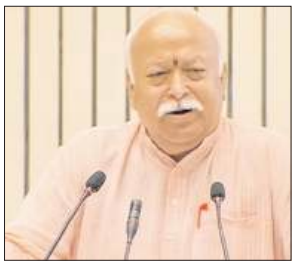

जयपुर। अलवर में आरएसएस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि हिन्दू होने का मतलब दुनिया का सबसे उदार व्यक्ति होना है, जो सभी को गले लगाता है, सभी के प्रति सद्भावना दिखाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यक्ति शिक्षा का उपयोग कलह पैदा करने के लिए नहीं बल्कि ज्ञान बांटने के लिए करता है, धन का उपयोग भोग-विलास के लिए नहीं बल्कि दान के लिए करता है और शक्ति का उपयोग कमजोर लोगों की रक्षा के लिए करता है। उन्होंने कहा हिंदू समाज देश का कर्ता-धर्ता है। अगर इस देश में कुछ भी गलत होता है, तो इसका असर हिन्दू समाज पर पड़ता है क्योंकि यह देश का कर्ताधर्ता है, लेकिन अगर देश में कुछ भी अच्छा होता है, तो इससे हिंदुओं का गौरव बढ़ता है।

हरियाणा में कांग्रेस का करेंगे समर्थन : भाटी

सपा ने की घोषणा- भाजपा को हर हाल में रोकना जरूरी

» बीजेपी को प्रदेश व देश से उखाड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित है पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी हरियाणा प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों का समर्थन व सहयोग करेगी। यह ऐलान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह भाटी एडवोकेट ने किया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने इंडिया गठबंधन का प्रमुख घटक होने के नाते कांग्रेस से शुरू में 17 सीटें मांगी थी । ज्यादा बताने पर पार्टी ने 11 सीटों पर लड़ने की इच्छा जाहिर की थी। फिर पार्टी 5 सीटों पर भी लड़ने को तैयार हो गयी मगर उनको भी कांग्रेस द्वारा ज्यादा बताने पर समाजवादी पार्टी मात्र 3 सीटों पर लड़ने के लिए सहमत हो गयी थी।

जबकि खुद कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव जी को व्हाट्सअप मैसेज भेज कर सीटें देने की सूचना दी थी जिसे पार्टी ने काफी गंभीरता से लिया है और कांग्रेस के इस व्यवहार से खुश नहीं है। फिर भी समाजवादी पार्टी अपने मूल्यों व सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों को सहयोग व समर्थन करेगी क्योंकि पार्टी नहीं चाहती कि सत्ताधारी भाजपा के खिलाफ वोटों का बिखराब हो। पार्टी भाजपा को प्रदेश व देश से उखाड़ने के लिए दृढ संकल्पित है और उस उद्देश्य को हासिल करने के लिए ऐसा करना आवश्यक समझती है। यह फैसला समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के निर्देश पार लिया गया है।

संगठन प्रचार के लिए बुलाएगा तो जाएंगे : अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का पार्टी संगठन चुनाव प्रचार के लिए बुलाएगा तो वहां जाएंगे। उनका नाम प्रचारकों की लिस्ट में भी शामिल है। लेकिन, हरियाणा में चुनाव प्रचार के लिए जाने के सवाल पर कुछ नहीं बोले।

36 सीटों पर एक ही जाति के उम्मीदवार

हरियाणा में हैट-ट्रिक बनाने की जद्दोजहद में जुटी भाजपा और 10 साल बाद सत्ता में वापसी के लिए संघर्षरत कांग्रेस की सोशल इंजीनियरिंग से विधानसभा चुनाव रोमांचक हो गया है। 90 में से 36 विधानसभा क्षेत्रों पर भाजपा और कांग्रेस ने एक ही जाति के उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें से 14 विधानसभा क्षेत्रों में जाट बनाम जाट तो 15 सीटों पर ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) बनाम ओबीसी मुकाबला होगा। जातिगत समीकरणों के अनुसार प्रदेश में कोई भी चुनावी किला फतह करने में ओबीसी (33 प्रतिशत आबादी), जाट (25 प्रतिशत) और दलित (21 प्रतिशत) की भूमिका सबसे अधिक होती है। इसके मद्देनजर कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 28 जाट उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि भाजपा ने 16 सीटों पर जाट प्रत्याशियों पर भरोसा जताया है। भाजपा ने सबसे ज्यादा 22 उम्मीदवार ओबीसी से बनाए हैं, जबकि कांग्रेस ने इस वर्ग से 20 प्रत्याशी चुनावी रण में उतारे हैं। 17 विधानसभा सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। इनको छोड़कर किसी दल ने सामान्य सीट पर दलित समुदाय को टिकट नहीं दिया है। बल्लभगढ़ से भाजपा के मूलचंद शर्मा और कांग्रेस की पराग शर्मा तो गन्नौर में भाजपा के देवेंद्र कौशिक और कांग्रेस के कुलदीप शर्मा में टक्कर है।

उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी

» बंगाल की खाड़ी से उठे दबाव का असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

18 सितंबर से थमेगा तेज हवाओं का दौर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्र में गहरा दबाव बनने का मौसम विज्ञान विभाग ने संभावना जताई है। इस वजह से 16 सितंबर को झारखंड, गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बिहार भारी बारिश का अनुमान है। इन राज्यों में 11 से 20 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है। वहीं 40 से 60 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं।

17 सितंबर को पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिम व पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश का अनुमान है। 18 सितंबर को पूर्वी व पश्चिमी मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में भारी बारिश हो सकती। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर बंगाल की खाड़ी में 70 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। वहीं पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी में 40 से 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। 18 सितंबर से तेज हवाओं का दौर थम जाएगा। हालांकि दक्षिणी बंगाल की खाड़ी पर 35 से 55 किमी तक की हवाएं अगले पांच दिनों तक जारी रहेंगी। मछुआरों को 16 सितंबर की सुबह तक बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग और बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटों पर जाने से बचने की सलाह दी गई है।

यूपी के संभल में दर्दनाक हादसा

बेकाबू वाहन ने नौ लोगों को रौंदा

» चार की मौत, सड़क किनारे बैठे थे सभी, पलट गया वाहन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संभल । संभल के रजपुरा थाना क्षेत्र के भोपतपुर में सड़क किनारे बैठे नौ लोगों को तेज रफ्तार बोलेरो मैक्स वाहन ने रौंद दिया। इसमें गांव भोपतपुर निवासी लीलाधर (60), धारामल (40), ओमपाल (33), पूरन की मौत हो गई। ओमप्रकाश (40), गंगा प्रसाद (45), निरंजन (30), जमुना सिंह घायल हो गए। इसमें दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद लोगों ने जाम लगा दिया। पुलिस ने किसी तरह जाम खुलवाया। उन्होंने बताया कि सभी सड़क किनारे बैठे थे।

गवां की तरफ से आई तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मारी और पलट गई। सभी घायलों को सीएचसी रजपुरा पहुंचाया गया। जहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। जिससे लोग भड़क उठे और उन्होंने जाम लगा दिया। एसपी कृष्ण विश्नोई ने बताया कि सभी चार शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजें गए हैं। घायलों का उपचार कराया जा रहा है।

'जेल में हुई थी हार्टअटैक से मुख्तार की मौत'

» मजिस्ट्रियल जांच रिपोर्ट में हुआ खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मजिस्ट्रियल जांच में माफिया से नेता बने पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मौत की वजह हार्ट अटैक पाई गई है। बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी की 28 मार्च, 2024 को मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मौत के बाद मुख्तार के परिजनों ने जेल में स्लो पॉइजन देने का आरोप लगाया था। हालांकि पोस्टमार्टम और विसरा जांच रिपोर्ट में जहर की पुष्टि नहीं हुई थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि की गई थी। जबकि विसरा जांच के लिए लखनऊ भेजा गया था। 20 अप्रैल को विसरा रिपोर्ट में भी जहर की पुष्टि नहीं हुई थी। मुख्तार अंसारी के परिजनों के आरोपों के बाद शासन के आदेश पर मौत की वजह जानने के लिए मजिस्ट्रियल और न्यायिक जांच बैठाई गई थी। बांदा जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अपर जिलाधिकारी बांदा ने ये जांच की थी। जांच के दौरान मुख्तार अंसारी के परिजनों को नोटिस भेजने के बावजूद उनका कोई जवाब नहीं आया। दरअसल नोटिस भेजकर मुख्तार अंसारी के परिजनों को मौत के कारणों में आपत्ति या सबूत सौंपने को लेकर समय दिया गया था। लेकिन किसी परिजन ने जवाब नहीं दिया।

5 महीने तक चली जांच

लगभग 5 महीने तक जांच में जेल अधिकारियों, कर्मचारियों, मुख्तार का इलाज करने वाले जिला अस्पताल के डॉक्टर, मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर, पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर आदि समेत 100 लोगों के बयान लिए गए थे। इतना ही नहीं जेल के सीसीटीवी फुटेज, बैरिक की जांच और खाने की जांच भी की गई थी, जिसके बाद ये रिपोर्ट बनाकर शासन को भेज दी है।

कोलकाता रेप कांड में सीबीआई व बंगाल पुलिस आमने-सामने

केंद्रीय जांच एजेंसी का दावा- घटनास्थल पर काफी देरी से पहुंची थी पुलिस

» मामले की अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर से पहले रेप और बाद उनकी हत्या के मामले हर बीतते दिन के साथ बड़ खुलासे हो रहे हैं। अब इस मामले में सीबीआई व कोलकाता पुलिस आमने-सामने है। इस मामले की जांच अब सीबीआई कर रही है। सीबीआई ने अपनी जांच में पाया है कि ट्रेनी डॉक्टर की हत्या के मामले की जांच में कोलकाता पुलिस ने कई लापरवाही बरती हैं।

गिरफ्तारी का कोई आधार नहीं : वकील

अभिजीत मंडल के वकील ने जवाब दिया, उनका आरोप है कि देरी हुई है। वे यह नहीं कहते कि मैं आरोपी हूं या गवाह। यहां गिरफ्तारी का कोई आधार नहीं है। यह सबसे अच्छा मामला कथित रूप से कर्तव्यहीनता का है। इसके लिए विभागीय जांच की जा सकती थी।

सीबीआई के अनुसार कोलकाता पुलिस को जब इस घटना की जानकारी मिली तो वह घटनास्थल पर काफी देरी से पहुंची। जबकि ऐसे जघन्य अपराध की जानकारी मिलने के फौरन बाद ही पुलिस को मौके पर जाना चाहिए था।सूत्रों के अनुसार सीबीआई ने कोलकाता पुलिस की इन लापरवाहियों का जिक्र अपने रिमांड नोट में किया है।

संदीप घोष और पुलिस अधिकारी में सांठ-गांठ की भी जांच हो

जांच एजेंसी का कहना है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष ने अस्पताल परिसर में 31 साल की डॉक्टर का शव मिलने के कुछ घंटों बाद ताला पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अभिजीत मंडल से बात की थी। इनमें कोई सांठगांठ हो सकती है और इसका पर्दाफाश करने की जरूरत है। सीबीआई ने अभिजीत मंडल को दुष्कर्म और हत्या के मामले में सबूतों से छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पहले गिरफ्तार किए गए डॉ. घोष पर अब सबूतों से छेड़छाड़ का भी आरोप लगाया गया है। अस्पताल में महिला रेजीडेंट डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की घटना ने देश को हिलाकर रख दिया है। सियालदह की एक अदालत ने संदीप घोष को 17 सितंबर तक सीबीआई की हिरासत में भेजा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।